http://www.sgbauonline.com/

B.A. Part–I (Semester–I) Examination
(Literature of Modern Language)
HINDI LITERATURE

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 80

1. (अ) संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 8

हमारे हरि हारिल की लकरी ।
मन बच क्रम नन्दनन्दन सो उर यह दृढ़ करि पकरी ।।
जागत, सोबत, सपने सौंतुख कान्ह-कान्ह जकरी ।
सुनतहि जोग लगत ऐसो अलि । ज्यों करूई ककरी ।।
सोई व्याध हमें लै आए देखी सुनी न करी ।
यह तौ सूर तिन्है लै दीजै जिनके मन चकरी ।।

अथवा

अबलौं नसानी, अब न नसैहों ।
राम-कृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिरि न डसैहों ।।
पायेउँ नाम चारु चिंतामनि, उर कर तें न खसैहों ।
स्यामरूप सुचि रुचिर कसौटी, चित कंचनहिं कसैहों ।।
परबस जानि हँस्यो इन इंद्रिन, निज बस ह्वै न हँसैहौं ।
मन मधुकर पनकै तुलसी रघुपति-पद-कमल बसैहों ।।

(आ) 'कबीर समाजसुधारक एवं क्रांतिकारी कवि थे' समझाइये । 8

अथवा

मीरा की माधुर्य भक्ति-भावना का परिचय दीजिए ।

2. (इ) प्रस्तुत गद्यांश की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 8

शून्य की महत्ता की दुहाई देने वाले योगी ! क्या तुम अपने और मेरे ममत्व में भेद रखते हो ? यदि हाँ, तो तुम शून्य पर विश्वास नहीं करते, और यदि नहीं, तो तुम्हारा ज्ञान और अन्धकार, सुख और दुख, स्त्री और पुरुष, तथा पाप और पुण्य का भेदभाव मिथ्या है । मनुष्य को जन्म देते हुए ईश्वर ने उसका कार्य-क्षेत्र निर्धारित कर दिया । उसने मनुष्य को इसलिए जन्म दिया है कि वह संसार में आकर कर्म करे, कायर की भाँति संसार की बाधाओं से मुख न मोड़ ले । और सुख ! सुख तृप्ति का दूसरा नाम है । तृप्ति वहीं सम्भव है, जहाँ इच्छा होगी, वासना होगी ।

अथवा

जो ईश्वर पर विश्वास करता है, उसी में आत्मशक्ति है ; नास्तिक में आत्मशक्ति नहीं होती - यदि मनुष्य में कल्पना विद्यमान है, तो वह कल्पना अवश्य प्रभावित होगी ; पर जहाँ कल्पना मर चुकी है, नास्तिकता का काला आवरण जहाँ कल्पना का दम घोंट चुका है, वहाँ मनुष्य के लिए ईश्वर को जान सकना असम्भव हो जाता है ।

(ई) बीज गुप्त की चरित्रगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए । 8

अथवा

'चित्रलेखा' के भाषा-वैशिष्ट्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

3. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों की विवेचना कीजिए । 16

अथवा

महाकाव्य की परिभाषा देकर उसके तत्वों का सामान्य परिचय दीजिए ।

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

4. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग **20-25** पंक्तियों में दीजिए : 4×4=16

(1) कबीर की भक्ति-भावना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(2) माया के सम्बन्ध में तुलसीदास के विचारों को 'विनयपत्रिका' के आधार पर समझाइये ।

(3) सूरदास के वात्सल्य भाव की प्रमुख विशेषताएं बताइये ।

(4) रहीम के दोहों में नीहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए ।

(5) श्वेतांक की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

(6) 'यशोधरा की शांति अथाह सिन्धु की भांति थी, जिसमें पड़कर मनुष्य अपने को भूल जाता है ।' - स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशानुसार लिखिए : 16×1=16

(1) तुलसीदास के गुरु का नाम है ..... ।

(i) चैतन्य

(ii) बल्लभाचार्य

(iii) नरहरिदास

(2) सूरदास के काव्य की भाषा ..... है ।

(रिक्त स्थान की पूर्ति करो)

(3) कबीर का लालन-पालन ..... नामक मुसलमान दम्पत्ति ने किया ।

(रिक्त स्थान की पूर्ति करो)

(4) प्रीतम छबि नैनन बसी, पर छबि कहाँ समाय ।
भरी सराय रहीम लखी, ... ।।

(5) बस्यां म्हारे णेणण माँ नन्दलाल । - किसकी पंक्ति है ?

(6) सूरदास अष्टछाप के कवियों में से एक है । (कथन सत्य/असत्य)

(7) आत्मकथा में मूल विषय ..... होता है ।

(8) उपन्यास के प्रमुख स्त्री पात्र को कहते हैं :

(i) नायिका

(ii) खलनायिका

(iii) सहनायिका ।

(9) 'चित्रलेखा' के केन्द्र बिन्दु में कहाँ का सामन्ति परिवेश है ?

(10) पाप क्या है ? यह जानने के लिए विशालदेव किसकी शरण में था ?

(11) चित्रलेखा के पहले पति का नाम क्या था ?

(12) "संयम जीवन का एक आवश्यक अंग है, और मदिरा और संयम में विरोध है ।" किसका कथन है ?

(13) मृत्युंजय यशोधरा का विवाह किससे करना चाहते थे ?

(i) श्वेतांक

(ii) बीजगुप्त

(iii) कुमारगिरि

(14) खंड काव्य महाकाव्य का लघुरूप है । (कथन सत्य/असत्य)

(15) महाकाव्य में कथानक ..... होते हैं । (एक, दो, तीन)

(16) कबीर की भाषा को सधुक्कड़ी भाषा किसने कहा है ?

http://www.sgbauonline.com/